किसान सम्मान दिवस पर प्राकृतिक खेती एवं स्वच्छता विषय पर कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा कार्यक्रम आयोजित

प्राकृतिक खेती अपनाकर स्वस्थ एवं स्वछ होगा भारत

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, लखनऊ के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई-द्वितीय द्वारा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में "प्राकृतिक खेती एवं स्वच्छता" मुख्य रूप से चर्चा का विषय रहे। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी अधिकारी एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ संजय अरोड़ा ने प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मिट्टी को दूषित होने से बचाने तथा वायु एवं जल प्रदूषण को दूर करने में गौ आधारित प्राकृतिक खेती का महत्वपूर्ण योगदान है। इससे रसायनिक खादों, कीटनाशकों के प्रयोग पर रोक लगाती है तथा मिट्टी मे जीवाणु का वास बढ़ता है और हमारी भूमि ऊसर होने से बचती है। उन्होने स्वछ एवं स्वस्थ रहने के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए आवाहन किया। पराली को मिट्टी मे सड़ सड़ाना एवं मोटे अनाजों, ढेंचा, दलहन जैसी फसलों को फनकार किसान समृद्ध होंगे जो कि चौधरी चरण सिंह जी का सपना था। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्राकृतिक खेती जल संरक्षण के लिए आवश्यक है क्योंकि वर्तमान में जल एक सीमित संसाधन होता जा रहा है अतः खेती में जल का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए। खेतों में उचित जल प्रबंधन के लिए खेत का समतल होना आवश्यक है, खेत में हरी खाद वाली फसल को फसल चक्र में सम्मिलित करना आवश्यक है, साथ ही ऊंची मेड को बनाना भी लाभदायक होता है। उन्होने जलवायु परिवर्तन से निबटने में भी देसी गौ आधारित खेती को बढ़ावा देने कि बात कही। विशेषज्ञ डॉक्टर त्रिलोकनाथ राय ने किसानों को चौधरी चरण सिंह के किसानों के लिए योगदान के बारे में बताया। श्रीमती अंजलि साहू ने प्राकृतिक खेती करने की विधि पर चर्चा करते हुए बीजा अमृत जीवामृत घन जीवामृत आदि को तैयार करने की विधि विस्तार से बताते हुए किसानो को प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम में मदारी खेड़ा, परीक्षित खेड़ा, सुरसा, कुकुरी, बसंतपुर, रामपुर बरैया आदि गांव के किसान एवं महिला किसान उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ शिक्षक ने भी अपने विचार रखते हुए महिलायों को प्राकृतिक खेती में अधिक योगदान देने कि बात कही।

कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों ने अपने अनुभव साझा किए। सुरसा गांव के श्री अभिषेक जी ने केंचुआ पालन द्वारा आय में कैसे वृद्धि की जा सकती है इस पर अपने विचार व्यक्त किये। कुकरी गांव के श्री सर्वेंद्र सिंह ने ड्रिप सिंचाई के फायदे बताते हुए शिमला मिर्च एवं चप्पन कद्दू की खेती से आय बढ़ाने के अपने अनुभव बताये। श्री मजीद ने गेंदे की खेती को लाभकारी बताया। ग्राम प्रधान श्री मुन्नी लाल यादव ने कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान जिले के प्रगतिशील किसान श्री सर्वेंद्र सिंह, राजकुमार, मजीद, अभिषेक, सुदीप, प्रकाश एवं श्रीमती विशुना को उन्नत कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।